One Donor
Can Save
Many Lives

13
AUGUST
2026

Be a Donor
Be a Hero

Awareness Session on

WORLD ORGAN DONATION *Day*

THEME 2026

From Fear to Hope:
Preserving Life Through
Organ Donation

अंगदान महादान – जीवनदान सबसे महान

DATE
13.08.2026
(Thursday)

TIME
10:30 am to
12:00 pm

VENUE
Auditorium, Apex Trust Institute & Hospital, Samaspur, Chunar, Mirzapur

CHIEF GUEST

डॉ. अंकिता पटेल

MD Clinical Oncologist
Internationally Certified MD (Radiation Oncology)
MRCP SCE (Medical Oncology) UK London
FRCR 2A (Clinical Oncology) UK London
ECMO–European Certified Medical Oncologist
PGDMLS | PGDHIM

Patron : **Prof. Dr. S.K. Singh**
Chairman, Apex Trust Institute

Co-Patron : **Dr. Swaroop Patel**
Director, Apex Trust Institute

Co-Patron : **Dr. Ankita Patel**
Director, Apex Trust Institute

SPECIAL GUESTS

Prof. Dr. Sunil Mistry
Dean, AIAMH

Prof. Dr. P.K. Singh
Principal, AIAMH

Prof. Dr. Gopi S.S.
Principal, ATNC

Prof. Dr. P. K. Rai
Academic Head, AIAMH

CO-ORDINATORS

Prof. Dr. P.S. Pandey
HOD
Department of Rachna Sharir

Dr. Ashish Kumar Yadav
Associate Professor
Department of Rachna Sharir

Dr. Vindhya Pandey
Assistant Professor
Department of Rachna Sharir

Organised by

DEPARTMENT OF RACHNA SHARIR
APEX INSTITUTE OF AYURVEDIC MEDICINE & HOSPITAL

APEX INSTITUTE OF AYURVEDIC MEDICINE & HOSPITAL
AIAMH
Estd.2017

Donate Organs | Save Lives | Give Hope

World Organ Donation Day
ORGAN DONATION: THE GIFT OF LIFE
WORLD ORGAN & DONATION Day
GPS Map Camera
Samaspur, Uttar Pradesh, India
4v22+8p6, Samaspur, Uttar Pradesh 231304, India
Lat 25.100669° Long 82.851914°
Thursday, 13/08/2026 11:12 AM GMT +05:30
Google

एपेक्स
Patient testimonial
WORLD ORGAN & DONATION Day
DEPARTMENT OF PANCHA KARMA
APEX INSTITUTE OF AYURVEDIC MEDICINE & HOSPITAL

Awareness Session on
WORLD ORGAN & DONATION Day
13
AUGUST
2026

GPS Map Camera
Samaspur, Uttar Pradesh, India
4v22+8p6, Samaspur, Uttar Pradesh 231304, India
Lat 25.100765° Long 82.851748°
Saturday, 08/08/2026 10:57 AM GMT +05:30
Google

ONVOCATION

WORLD ORGAN DONATION

World Organ Donation Day
WORLD ORGAN DONATION
GPS Map Camera
Samaspur, Uttar Pradesh, India
4v22+9c3, Samaspur, Uttar Pradesh 231304, India
Lat 25.10087° Long 82.851336°
Thursday, 13/08/2026 11:24 AM GMT +05:30
Google

CCTV
सीसीटीवी
WORLD
ORGAN
DONATION

WORLD
ORGAN
DONATION

CCTV
सीसीटीवी
AMBULANCE
WORLD
ORGAN
DONATION

CCTV
सीसीटीवी
WORLD
ORGAN
DONATION

Awareness Session on
WORLD
ORGAN
DONATION Day
13
AUGUST
2026

GIVE LIFE
GIVE HOPE

Awareness Session on
WORLD
ORGAN
DONATION Day
13
AUGUST
2026

WORLD ORGAN DONATION DAY
LUNGS
LIVER
INTESTINES
EYES
HEART
KIDNEYS
PANCREAS

One Donor Can Save Many Lives
Awareness Session on
WORLD ORGAN DONATION Day
13 AUGUST
CCTV
सीसीटीवी

World Organ Donation Day
न हि प्राणसमं दानं त्रिषु लोकेषु विद्यते
1st Transplant 1954
"You don't need wings to be an angel - sometimes you just need to share a KIDNEY."
And Now, I Want To Help Someone Else See Too!
1st Transplant 1905
Give The Gift Of Life
HEART
Donate Now
Donate Life, Spread Hope

ORGAN DONATION DAY

बहुजन समय लखनऊ

बहन ने किडनी देकर भाई को दी नई जिंदगी, विश्व अंगदान दिवस पर एपेक्स में जागरूकता का संदेश

चुनार, मिजार्पुर। विश्व अंगदान दिवस के अवसर पर एपेक्स ट्रस्ट संस्थानों में अंगदान के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। एपेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड हॉस्पिटल, चुनार के रचना शरीर विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में अंगदान को लेकर समाज में फैली भ्रांतियों और भय को दूर करते हुए इसे मानव सेवा और जीवनदान का माध्यम बताया गया।कार्यक्रम का आयोजन एपेक्स के चेयरमैन प्रो. डॉ. एस.के. सिंह की संरक्षता में किया गया। मुख्य अतिथि एपेक्स की निदेशिका एवं कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकिता पटेल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान भगवान धन्वंतरि की वंदना के साथ चिकित्सकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में 21 वर्षीय अनुज की प्रेरक कहानी ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। अनुज ने बताया कि उनकी बहन ने अपनी किडनी दान कर उन्हें नया जीवन दिया। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि अंगदान केवल किसी व्यक्ति को शारीरिक रूप से जीवन देने का माध्यम नहीं, बल्कि उसके परिवार में भी नई उम्मीद और खुशियां लौटाने का कार्य है। उनकी कहानी ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को अंगदान के मानवीय महत्व को समझने के लिए प्रेरित किया।डॉ. अंकिता पटेल ने कहा कि अंगदान को लेकर सही जानकारी और सकारात्मक सोच बेहद जरूरी है। जागरूकता के माध्यम से समाज में व्याप्त भय और भ्रांतियों को दूर किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं जागरूक बनने और परिवार व समाज तक अंगदान का संदेश पहुंचाने की अपील की।डीन प्रो. डॉ. सुनील मिस्त्री और आयुर्वेद प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. पी.के. सिंह ने भी अंगदान को मानवता की सेवा बताते हुए इसके सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में इअटर 2025 बैच के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक, स्किट और पोस्टर प्रस्तुति के माध्यम से ह्यअंगदान महादान–जीवनदान सबसे महानह्ल का संदेश प्रभावी ढंग से दिया।कार्यक्रम में प्रो. पी.एस. पांडेय, डॉ. आशीष यादव, डॉ. विंध्या पांडेय, डॉ. गौरी चौहान, डॉ. निलेश दुबे, डॉ. अभिषेक पाठक सहित विभिन्न विभागों के चिकित्सक और संकाय सदस्य मौजूद रहे। संचालन एवं समन्वय प्रो. डॉ. पी.एस. पांडेय, डॉ. आशीष कुमार यादव, डॉ. विंध्या पांडेय और डॉ. ओम हर्ष यति ने किया।

विश्व अंगदान दिवस पर एपेक्स ट्रस्ट संस्थानों में जागरूकता सत्र का आयोजन

चुनार, मिजार्पुर(आपका मेट्रो)। विश्व अंगदान दिवस के अवसर पर एपेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड हॉस्पिटल, चुनार के रचना शरीर विभाग द्वारा चेयरमैन प्रो. डॉ. एस.के. सिंह की संरक्षता में अंगदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम भय से विश्वास और आशा की ओर अंगदान के माध्यम से जीवन बचाने का संकल्प तथा संदेश अंगदान महादान-जीवनदान सबसे महान रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एपेक्स की निदेशिका एवं कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकिता पटेल, रचना शरीर विभागाध्यक्ष प्रो. पी.एस. पांडेय, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आशीष यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विंध्या पांडेय, कायचिकित्सा डॉ गौरी चौहान, शल्य तंत्र डॉ निलेश दुबे, डॉ अभिषेक पाठक एवं सहित विभिन्न विभागों के चिकित्सकों एवं संकाय सदस्यों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन एवं भगवान धन्वंतरि वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम में 21 वर्षीय अनुज विशेष रूप से उपस्थित हुए, जिन्होंने बहन ने दी अपनी किडनी, भाई को मिली नई ज़िंदगी की प्रेरणादायक कहानी साझा करते हुए अंगदान से जुड़े अपने अनुभव विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के साथ साझा किए। उनके अनुभव ने उपस्थित लोगों को अंगदान के मानवीय महत्व और जीवन बचाने की इसकी शक्ति को करीब से समझने का अवसर प्रदान किया। मुख्य अतिथि डॉ. अंकिता पटेल ने कहा कि अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना आज की महत्वपूर्ण सामाजिक आवश्यकता है। सही जानकारी और सकारात्मक सोच से अंगदान को लेकर समाज में व्याप्त भय एवं भ्रांतियों को दूर किया जा सकता है।

यों एवं ग्राम पंचायतों में

हर- घर तिरंगा रैली को

विश्व अंगदान दिवस पर एपेक्स में आयोजित हुआ जागरूकता सत्र

बहन बनी भाई की जीवनदाता!

जगप्रकाश संवाददाता

चुनार, मिर्जापुर। विश्व अंगदान दिवस पर एपेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड हॉस्पिटल, चुनार के रचना शरीर विभाग की ओर से अंगदान के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाने के लिए जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। चेयरमैन प्रो. डॉ. एस.के. सिंह की संरक्षता में हुए कार्यक्रम की थीम 'भय से विश्वास और आशा की ओर' रही। संदेश दिया गया कि 'अंगदान महादान–जीवनदान सबसे महान।' कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एपेक्स की निदेशिका एवं कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकिता पटेल, रचना शरीर विभागाध्यक्ष प्रो. पी.एस. पांडेय, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आशीष यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विंध्या पांडेय, कायचिकित्सा डॉ. गौरी चौहान, शल्य तंत्र डॉ. निलेश दुबे, डॉ. अभिषेक पाठक सहित विभिन्न विभागों के चिकित्सकों एवं संकाय सदस्यों ने दीप प्रज्वलन और भगवान धन्वंतरि वंदना के साथ किया। कार्यक्रम में 21 वर्षीय अनुज ने अपनी प्रेरक कहानी साझा की कि कैसे उनकी बहन ने किडनी दान कर उन्हें नई जिंदगी दी। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों से अंगदान से जुड़े अनुभव साझा किए। डॉ. अंकिता पटेल ने कहा कि सही जानकारी और सकारात्मक सोच से अंगदान को लेकर भय एवं भ्रांतियां दूर की जा सकती हैं। एपेक्स डीन प्रो. डॉ. सुनील मिस्त्री एवं आयुर्वेद प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. पी.के. सिंह ने अंगदान के सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला। ठ।डै 2025 बैच के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक, स्किट और पोस्टर प्रेजेंटेशन से अंगदान का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय प्रो. डॉ. पी.एस. पांडेय, डॉ. आशीष कुमार यादव, डॉ. विंध्या पांडेय एवं डॉ. ओम हर्ष यति ने किया।

Sister Donates Kidney to Brother, Gives Him a New Lease of Life: Apex Spreads Organ Donation Awareness

Chunar, Mirzapur: On the occasion of World Organ Donation Day, a special awareness session was organized at the Apex Trust institutions to promote awareness about organ donation and encourage people to overcome misconceptions and fears associated with the noble cause.The programme was organized by the Department of Rachana Sharir at Apex Institute of Ayurvedic Medicine and Hospital, Chunar. Speakers emphasized that organ donation is not merely a medical procedure but an important means of serving humanity and giving someone a new chance at life.The event was organized under the guidance of Apex Chairman Prof. Dr. S.K. Singh. Dr. Ankita Patel, Director of Apex and a cancer specialist, was the chief guest. She inaugurated the programme by lighting the ceremonial lamp.The event began with prayers to Lord Dhanvantari, following which doctors, faculty members and students took a pledge to spread awareness about

organ donation and encourage positive attitudes towards donation.Sister's Kidney Donation Gives Brother a New LifeOne of the most inspiring moments of the programme was the story of 21-year-old Anuj, whose sister donated one of her kidneys to him.Sharing his personal experience, Anuj said that his sister's decision had given him a new lease of life. He explained that organ donation does not only save the life of a recipient but also brings renewed hope and happiness to the entire family.His emotional account helped students and teachers understand the profound humanitarian value of organ donation. The story demonstrated how an individual's decision to donate an organ can transform another person's life and give a family a fresh sense of hope.Awareness Can Remove Fear and MisconceptionsDr. Ankita Patel said that accurate information and a positive approach are essential to increasing awareness about organ donation.She said many misconceptions and fears surrounding organ donation can be addressed through education and awareness. She urged students to become informed themselves and take the message of organ donation to their families and communities.According to her, young people can play an important role in creating a more informed society by discussing organ donation with family members and encouraging people to learn about the donation process from reliable sources.